"हिंदी साहित्य" बी.ए. तृतीय वर्ष

"प्रथम प्रश्न पत्र"

खण्ड 'अ'

चार व्याख्याएं → 10×4 = 40 नं.

खण्ड 'ब' तीन प्रश्न → 15 नं. 15×3 = 45 नं.

प्र.-1. हरिऔध की साहित्य साधना का स्वरूप स्पष्ट करते हुए "प्रिय-प्रवास" में वर्णित 'पवन-दूत प्रसंग' की विशेषताएं बताइए।

प्र.-2. हरिऔध द्वारा रचित 'प्रिय-प्रवास' के आधार पर निम्न का चरित्र चित्रण स्पष्ट कीजिए → (i) राधा (ii) यशोदा

प्र.-3. "सखि वे मुझसे कह कर जाते" काव्यांश के आधार पर यशोधरा की चारित्रिक विशेषताओं को स्पष्ट करते हुए साकेत के "नवम सर्ग" के काव्य सौन्दर्य पर प्रकाश डालिए।

प्र.-4. "जयशंकर प्रसाद छायावाद के आधार स्तंभ है।" इस कथन के संदर्भ में छायावाद की विशेषताओं को स्पष्ट करते हुए बताइए कि "आँसू" एक उत्कृष्ट विरह काव्य है। ~~इस कथन~~

प्र.-5. पंत की "प्रथम रश्मि" कविता का मूल भाव स्पष्ट करते हुए "मौन-निमंत्रण" एवं "द्रुत झरो" कविताओं की साहित्यिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

प्र.-6. अज्ञेय 'प्रयोगवाद' एवं 'नयी कविता' के शलाका पुरुष माने गये है, स्पष्ट करते हुए 'भीतर जागा दाता' कविता का मूलभाव एवं 'सांप' कविता में निहित व्यंग्य को स्पष्ट कीजिए।

प्र.-7. "मुक्तिबोध नयी कविता के प्रतिनिधि कवि है।" इस कथन की सार्थक पुष्टि कीजिए।

प्र.-8. दुष्यंत कुमार ने 'गजल' विधा को नया तेवर दिया है। इस कथन के परिप्रेक्ष्य में दुष्यंत कुमार की गजलों की विशेषताएं बताइए।

प्र.-9. धूमिल के काव्य सौष्ठव पर प्रकाश डालते हुए "मोचीराम" कविता में व्यक्त भावों को स्पष्ट कीजिए।

"खण्ड स" दो प्रश्नों → $7\frac{1}{2} \times 2 = 15$ नं.

प्र.-

प्र.-1. भारतेन्दुकालीन साहित्य की प्रमुख काव्यगत विशेषताएं

प्र.-2. आधुनिक हिंदी काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियां

प्र.-3. "छायावाद काव्य स्थूल के प्रति सूक्ष्म का विद्रोह है" इस कथन के आधार पर छायावादी काव्य की विशेषताएं।

प्र.-4. टिप्पणी: किन्हीं दो पर → (i) प्रयोगवाद: स्वरूप एवं विशेषताएं (ii) साठोत्तरी कविता (iii) दीर्घ कविता (iv) नयी कविता